असंतुष्टों को मनाने की तैयारी... 8

सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 8 ● अंकः 48 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 22 मार्च, 2022
मूल्य ₹ 3/-

हजार छूरों की तुलना में चार विरोधी अखबारों से अधिक डरना चाहिए।
–नेपोलियन बोनापार्ट

पूर्वांचल में पकड़ बनाए रखने के... 3
अब भी जनता से झूठ बोल रही... 7

अखिलेश का लोक सभा की सदस्यता से इस्तीफा

» इस्तीफे से पहले अपने संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ की जनता को दिया था धन्यवाद

» विधान सभा चुनाव में करहल सीट से विधायक चुने गए हैं सपा प्रमुख

» एमएलसी चुनाव और प्रदेश की राजनीति पर पूरा फोकस करने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज लोक सभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। अखिलेश आजमगढ़ लोक सभा सीट से सांसद रहे हैं। हाल में हुए विधान सभा चुनाव में अखिलेश मैनपुरी की करहल सीट से विधायक बने हैं। उन्हें सांसदी या विधायकी में से एक छोड़नी थी। माना जा रहा है कि एमएलसी चुनाव और प्रदेश की राजनीति पर पूरा फोकस करने के लिए सपा प्रमुख ने यह फैसला लिया है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव आज लोक सभा पहुंचे। यहां वह स्पीकर ओम बिरला से मिले और अपना इस्तीफा सौंप दिया। अब अखिलेश यादव यूपी विधान सभा में विपक्ष के नेता बन सकते हैं यानी अब भाजपा सरकार के खिलाफ अखिलेश यादव सदन से लेकर सड़क तक की लड़ाई की अगुवाई करेंगे। सांसदी छोड़ने के फैसले से पहले अखिलेश सोमवार को अपने संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ पहुंचे थे। यहां उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं के अलावा समाज के अलग-अलग तबकों के लोगों से मुलाकात की थी। इससे पहले अखिलेश करहल गए थे और वहां भी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिलकर चर्चा की थी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूछा था कि आगे क्या करना चाहिए? आजमगढ़ की संसदीय सीट या करहल की विधान सभा सीट के छोड़ने के सवाल पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा था कि यह पार्टी के नेताओं के साथ बैठक कर तय किया जाएगा। माना जा रहा है कि अब वह अपना पूरा ध्यान एमएलसी चुनाव पर लगाने वाले हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि एमएलसी चुनाव बड़ी चुनौती है। इसमें प्रशासन से भी लड़ना है। इससे पहले उन्होंने आजमगढ़ की जनता को धन्यवाद देते हुए कहा था कि इस जिले का परिणाम ऐतिहासिक रहा है। भाजपा की कोशिश रही कि आजमगढ़ में सपा को पीछे कर दे लेकिन यहीं से उन्हें हार का सामना करना पड़ा। दसों विधान सभा सीटें सपा को मिलीं। हमारी सरकार भले ही न बनी हो लेकिन हम हारे नहीं हैं।

स्पीकर ओम बिरला को सपा प्रमुख ने सौंपा त्यागपत्र

आजम खान ने भी छोड़ी सांसदी

अखिलेश के अलावा सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान ने भी लोक सभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। आजम खान रामपुर लोक सभा सीट से सांसद थे। हाल में आजम खान ने रामपुर विधान सभा सीट से चुनाव जीता है। आजम ने इस बार का विधान सभा चुनाव जेल के अंदर से लड़ा और जीता। इससे पहले वह 2019 के लोक सभा चुनाव में रामपुर संसदीय सीट से चुनाव लड़े और जीते थे। गौरतलब है कि अखिलेश यादव और आजम खान के इस्तीफे के बाद अगले छह महीने के अंदर आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा सीट पर उपचुनाव होगा।

लोक सभा में अब सपा के तीन सांसद

लोक सभा में अब सपा के सांसदों की संख्या तीन हो गई है। मैनपुरी से मुलायम सिंह यादव, मुरादाबाद से एसटी हसन और संभल से शफीकुर्रहमान बर्क लोक सभा में सपा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

चुनाव बाद जनता को महंगाई का झटका, राज्य सभा में विपक्ष का हंगामा

कांग्रेस, टीएमसी समेत विभिन्न दल चर्चा की कर रहे हैं मांग, कार्यवाही बाधित

पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में फिर किया गया इजाफा

» एक हजार के करीब पहुंचा एलपीजी सिलेंडर, लोक सभा में स्थगन प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव संपन्न होने के बाद जनता को महंगाई का झटका लगा है। आज पेट्रोल-डीजल समेत रसोई गैस के दामों में फिर इजाफा हुआ। देश में बढ़ती महंगाई को लेकर राज्य सभा में विपक्ष ने हंगामा किया। इससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई।

राज्य सभा का सत्र शुरू होते ही टीएमसी, शिवसेना और कांग्रेस ने बढ़ी कीमतों को लेकर चर्चा की मांग की। राज्य सभा के चेयरमैन वेंकैया नायडू ने विपक्षी सदस्यों की मांग को खारिज कर दिया। इस पर विपक्ष ने हंगामा किया। हंगामे के चलते राज्य सभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने लोक सभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया।

आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 80 पैसे प्रति लीटर जबकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये का इजाफा किया गया है। अब 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 949.50 रुपये हो गई है। इस पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, जनता को दिया भाजपा सरकार ने महंगाई का एक और उपहार। लखनऊ में रसोई गैस सिलेंडर हुआ हजार के पास और पटना में हजार के पार।' 'चुनाव खत्म, महंगाई शुरू।'

पता नहीं इन्हें कौन जिताकर लाया, जनता तो नहीं लाई होगी : जया बच्चन

पेट्रोल-डीजल और एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने पर समाजवादी पार्टी से राज्य सभा सांसद जया बच्चन ने मोदी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ये सरकार इसी तरह करती है, अखिलेश यादव ने अपने कैंपेन में बार-बार ये ही कहा कि आप लोग सतर्क हो जाएं, दाम चुनाव के बाद बढ़ने वाले हैं। पता नहीं इन्हें कौन जिताकर लाया, जनता तो नहीं लाई होगी।

मुख्यमंत्री के चयन के बाद अब धामी मंत्रिमंडल पर सबकी नजरें

» नई मंत्रिमंडल में बदल सकते हैं कई चेहरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। भाजपा नेतृत्व द्वारा पुष्कर सिंह धामी पर फिर से विश्वास जताए जाने के बाद अब धामी मंत्रिमंडल के सदस्यों के नाम को लेकर मंथन शुरू हो गया है। समझा जा रहा है कि मंत्रिमंडल में अनुभव और युवा जोश का संगम देखने को मिलेगा। ऐसे में कुछ नए चेहरों को जगह मिलना तय है तो कुछ पुराने चेहरों को विश्राम दिया जा सकता है। इसमें पिछले प्रदर्शन को कसौटी पर परखा जाएगा। यही नहीं, महिला विधायकों को भी इस बार मंत्रिमंडल में अधिक प्रतिनिधित्व मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। समझा जा रहा है कि जल्द ही पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत के बाद मंत्रिमंडल के सदस्यों के नाम तय कर दिए जाएंगे।

विधानसभा चुनाव में भाजपा ने युवा उत्तराखंड-युवा मुख्यमंत्री का नारा दिया था। इस कड़ी में पार्टी ने 20 नए चेहरों को अवसर दिया, जिनमें से 12 ने जीत दर्ज की। इसके अलावा निर्वाचित विधायकों में से 35 पुराने चेहरे हैं। भाजपा के कुल 47 विधायकों में 12 पूर्व मंत्री हैं, जिनमें से आठ पिछली धामी सरकार में मंत्री थे। यही नहीं, भाजपा की

महिला विधायकों की संख्या भी छह है। अब जबकि पुष्कर सिंह धामी ही नेता भाजपा विधायक दल चुने जा चुके हैं, तो मंत्रिमंडल को लेकर माथापच्ची शुरू हो गई है। जैसा परिदृश्य है, उससे साफ है कि इस बार धामी मंत्रिमंडल में चेहरे बदल सकते हैं। पिछली सरकार में सिर्फ एक महिला मंत्री थी, जबकि शुरुआत में महिला विधायकों की संख्या तीन और बाद में उपचुनाव के बाद पांच हो गई थी। पार्टी सूत्रों का कहना है मंत्रियों के नाम तय करने के मद्देनजर सभी पहलुओं पर मंथन चल रहा है।

तीन पदों पर नए चेहरों का आना तय

असल में पिछली सरकार में मंत्री रहे हरक सिंह रावत और यशपाल आर्य भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं, जबकि एक अन्य मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद इस बार चुनाव हार गए। ऐसे में इन तीन पदों पर नए चेहरों का आना तय है। मंत्री पद के शेष आठ पदों पर क्या पुराने सदस्यों को अवसर दिया जाएगा या फिर इनमें भी फेरबदल किया जाएगा, इसे लेकर मंथन का दौर जारी है। साथ ही राजनीतिक गलियारों में भी इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है। साथ ही सरकार में मंत्री पद के दावेदारों ने जुगत भिड़ानी भी शुरू कर दी है। दावेदारों ने अब अपने-अपने स्तर से प्रयास तेज कर दिए हैं।

योगी आदित्यनाथ ने दिया विधान परिषद से इस्तीफा

» विधान परिषद की एक और सीट खाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद अब नौ अप्रैल से विधान परिषद की 36 सीट का चुनाव होना है। इसी बीच में विधान परिषद की एक और सीट खाली हो गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह को अपना इस्तीफा दे दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार भी कर लिया है।

योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर शहर से विधायक चुने के बाद विधान परिषद के सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका कार्यकाल छह जुलाई 2022 तक ही था। उत्तर प्रदेश में पहली बार विधानसभा के सदस्य बनने वाले योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया है। गोरखपुर शहर से विधायक चुने जाने के बाद योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद सभापति को अपना इस्तीफा सौंप दिया, जिसको सभापति ने स्वीकार कर लिया है। योगी आदित्यनाथ एक बार फिर से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की गद्दी संभालेंगे। इसके लिए उत्तर प्रदेश के पर्यवेक्षक अमित शाह तथा सह पर्यवेक्षक रघुवर दास की मौजूदगी में 24 मार्च को योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश भाजपा विधायक दल का नेता चुना जाएगा।

सांसद हसन ने लोकसभा में उठाया मुरादाबाद से मुंबई तक ट्रेन चलाने का मुद्दा

» बंद पड़ी पैसेंजर ट्रेन चलाने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। सांसद डॉ. एसटी हसन ने लोकसभा में फिर से मुरादाबाद में ट्रेनों की सुविधा को लेकर मांग उठाई है। बंद पड़ी पैसेंजर ट्रेन चलाने की मांग की गई। लोकसभा में रेल सुविधा पर चर्चा करते हुए सांसद ने कहा कि मुरादाबाद को पीतलनगरी के नाम से विश्वभर में जाना जाता है। 50 साल से मांग करते हुए है कि मुरादाबाद से मुंबई तक के लिए सीधी ट्रेन चलायी जाए।

इस मामले को लेकर पांच बार लोकसभा में मामला उठा चुके हैं, इसके बाद भी ट्रेन चलाने का प्रयास नहीं किया है। इससे मुरादाबाद से अलीगढ़, आगरा व मथुरा जाने वाले यात्रियों को परेशानी

हो रही है। काशीपुर से धामपुर तक रेल मार्ग के लिए स्वीकृत हो चुका है, लेकिन अभी तक निर्माण शुरू नहीं नहीं किया गया है। सांसद ने कहा कि एक्सप्रेस ट्रेनें चलायी गई है, अभी भी मासिक सीजन टिकट (एमएसटी) लेकर सफर करने की अनुमति नहीं दी गई हैं, जिससे दैनिक यात्रियों को सफर करने में परेशानी होती है। कोरोना का असर कम हो चुका है, इसके बाद भी सभी पैसेंजर ट्रेनों को नहीं चलायी जा रही है। इसके कारण से मुरादाबाद से काशीपुर, अमरोहा, सहारनपुर रेल मार्ग के छोटे-छोटे स्टेशन पर जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा रहा।

एमएलसी चुनाव : भाजपा ने गठबंधन सहयोगियों को नहीं दी एक भी सीट

खुद ही अपने प्रत्याशियों से संतुलन बनाने का प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में प्रचंड बहुमत पाने के बाद भारतीय जनता पार्टी अब विधान परिषद में भी बहुमत पाने की जुगत में लग गई है। यूपी चुनाव में जातीय समीकरणों का संतुलन साधती नजर आई भाजपा उसी राह पर आगे कदम बढ़ा रही है। विधान परिषद (स्थानीय निकाय) के चुनाव के प्रत्याशी घोषित करने में पार्टी ने जातीय संतुलन का खास ख्याल रखा है। संगठन कार्यकर्ताओं को मेहनत का फल देने के साथ ही दूसरे दलों से आए नेताओं से वादा निभाते हुए ही दूसरे चरण के छह और प्रत्याशी भाजपा ने घोषित कर दिए हैं।

चुनाव में जातीय समीकरण साधते हुए गठबंधन सहयोगी अपना दल (एस) और

निषाद पार्टी को पर्याप्त सीटें देने वाली भाजपा ने यूपी के विधान परिषद चुनाव में एक भी सीट उन्हें नहीं दी है। खुद ही अपने प्रत्याशियों से संतुलन बनाने का प्रयास किया है। विधान परिषद चुनाव की पहले चरण की 30 और यह छह मिलाकर कुल 36 उम्मीदवारों में 16 क्षत्रिय और 11 पिछड़ा वर्ग से हैं। पांच ब्राह्मण तो तीन वैश्य और एक कायस्थ समाज से हैं। इनमें 11 उम्मीदवार वह हैं, जो दूसरे दल से भाजपा में आए हैं, जबकि 25 पर संगठन के कार्यकर्ताओं को मौका दिया गया है। कल घोषित किए विधान परिषद की छह सीटों पर भाजपा ने बस्ती-सिद्धार्थनगर स्थानीय प्राधिकार क्षेत्र से पार्टी के प्रदेश मंत्री सुभाष यदुवंश, कानपुर-फतेहपुर से अविनाश सिंह चौहान और वाराणसी से डॉ. सुदामा सिंह पटेल को प्रत्याशी घोषित किया है। वहीं तीन उम्मीदवार दूसरे दलों से आए नेता बनाए गए हैं। इनमें जौनपुर सीट पर सपा के एमएलसी रहे बृजेश सिंह को टिकट दिया है। सपा छोड़कर भाजपा में आए शैलेंद्र प्रताप सिंह को सुल्तानपुर तो मीरजापुर-सोनभद्र सीट से विनीत सिंह को उम्मीदवार बनाया है।

मुश्किल में दयाशंकर, स्वाति सिंह ने तलाक मामले में केस शुरू करने की दी अर्जी

» 2018 में खारिज हो गया था मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार के पहले कार्यकाल में मंत्री रहीं स्वाति सिंह ने अपने पति व बलिया से वर्तमान विधायक दयाशंकर सिंह के खिलाफ तलाक का मुकदमा फिर शुरू करने के लिए फैमिली कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। उनके द्वारा पूर्व में दाखिल तलाक की अर्जी गैरहाजिरी की वजह से खारिज हो गई थी। अपर पारिवारिक न्यायाधीश शुचि श्रीवास्तव ने स्वाति की अर्जी को पत्रावली पर लेते हुए अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया है।

पारिवारिक न्यायालय की पूर्व पत्रावली के अनुसार स्वाति सिंह ने पारिवारिक विवादों के चलते वर्ष 2012 में दयाशंकर सिंह से तलाक के लिए लखनऊ में पारिवारिक न्यायालय में मुकदमा दाखिल किया था। इस मामले को अदालत ने विचारार्थ स्वीकार करते हुए दयाशंकर सिंह को अपना पक्ष रखने एवं आपत्ति दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान ही वर्ष 2017 में भाजपा ने स्वाति सिंह

को विधानसभा चुनाव का टिकट दे दिया। स्वाति चुनाव जीतीं और सरकार में उन्हें मंत्री पद मिला। इसके बाद वे अदालत में सुनवाई के दौरान हाजिर नहीं हुईं। स्वाति की लगातार गैर हाजिरी के चलते फैमिली कोर्ट के अपर प्रधान न्यायाधीश प्रथम ने वर्ष 2018 में उनके मुकदमे को पैरवी के अभाव में खारिज कर दिया था। स्वाति सिंह इसी आदेश को वापस लेने के लिए कल वकील के साथ कोर्ट में उपस्थित हुईं और आदेश वापसी का प्रार्थना पत्र देकर अपना पक्ष रखा। कोर्ट ने सुनवाई के बाद अपना निर्णय सुरक्षित कर लिया है।

आम आदमी पार्टी में शामिल हुए सपा नेता चपराना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव व सपा नेता सुमित चपराना ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय पर सुमित चपराना को पार्टी की सदस्यता दिलाई है। मौके पर आप जिला अध्यक्ष भूपेंद्र जादौन, नोएडा विधानसभा से प्रत्याशी रहे पंकज अवाना भी मौजूद रहे। गौतमबुद्ध नगर के रहने वाले सुमित चपराना ने बताया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जन कल्याण की नीति और कार्य से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। उनका कहना है हमारा सपना उत्तर प्रदेश के नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं के साथ उनका अधिकार दिलाना है।

पूर्वांचल में पकड़ बनाए रखने के लिए मंत्रियों का कोटा कम नहीं करेगी भाजपा

» जहां हुआ भाजपा को नुकसान वहां भी साधने की करेगी कोशिश

» पार्टी की सीटें इस बार 2017 की अपेक्षा 12 कम आईं खाते में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्वांचल के आजमगढ़, मीरजापुर और वाराणसी मंडल के 10 जिलों से भाजपा की योगी के नेतृत्व वाली पिछली सरकार में 10 मंत्री थे। इसमें से दारा सिंह चौहान चुनाव के ठीक पहले ही पार्टी छोड़कर सपा में शामिल हो गए। गाजीपुर की संगीता बलवंत और बलिया से उपेंद्र तिवारी व आनंद स्वरूप शुक्ला चुनाव हार गए। पार्टी की सीटें भी पूर्वांचल में 2017 की अपेक्षा 12 कम हो गई हैं। इस कारण लोक सभा चुनाव 2024 और पार्टी की पूर्वांचल में पकड़ बनाए रखने के लिए मंत्रियों के कोटे को बरकरार रखा जाएगा। पूर्व मंत्री और ओबरा से विधायक संजीव गौंड का इस बार भी मंत्री बनना तय है। वह इकलौते आदिवासी मंत्री थे।

सोनभद्र में भाजपा ने क्लीन स्वीप करते हुए चारों विधान सभा सीटें जीत ली हैं। अनुसूचित जनजाति को आरक्षित प्रदेश की मात्र दो ओबरा और दुद्धी यहीं हैं। सर्वाधिक आदिवासी भी यहीं हैं। सोनभद्र से सटा छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व झारखंड का भी आदिवासी इलाका इससे लगा है। संजीव को सम्मानजनक जीत मिली और दोबारा चुने गए। इन तमाम समीकरणों को देखते हुए संजीव का मंत्री बनना तय है। विकास व कानून व्यवस्था भले ही योगी सरकार के दो मजबूत पक्ष रहे हों लेकिन जातियों के संतुलन की राजनीति से इनकार नहीं किया जा सकता। इस चुनाव से पूर्व सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने राजभर बिरादरी का एक और केवल एक नेता के रूप में दंभ भरते रहे। वह कुछ क्षेत्रों को छोड़कर राजभर को सुभासपा से जोड़े नहीं रख सके। बड़ी संख्या में राजभर बिरादरी का वोट लेने में भाजपा सफल रही। इसमें बड़ा योगदान अनिल राजभर का है। इस मिशन पर वे पिछले पांच वर्ष से लगे थे। इस कारण अनिल राजभर का मंत्री ही नहीं कैबिनेट मंत्री बने रहना तय है।

एके शर्मा को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

मऊ निवासी व गुजरात काडर के पूर्व आईएएस एके शर्मा के भाजपा में शामिल होने और एमएलसी बनने के बाद से ही मंत्री बनाने के बात चलती रही है। इस बार जिस प्रकार से भाजपा को आजमगढ़, मऊ, बलिया और गाजीपुर में कई सीटें गंवानी पड़ी है उससे पूरी संभावना है कि उन्हें मौका देकर जिले, मंडल और भूमिहार वर्ग को साधने की होगी। वैसे मधुबन सीट से जीते बिहार के राज्यपाल फागू चौहान के पुत्र रामविलास को भी मंत्री बनाने की चर्चा है लेकिन जिस प्रकार से मोदी परिवारवाद पर हमला कर रहे हैं वैसे में संशय बना हुआ है। फिर भी आसपास के जिलों की बड़ी चौहान बिरादरी को साधने और दारा सिंह चौहान की काट के रूप में मौका मिल जाए तो कोई अचंभा नहीं होगा।

रवींद्र से साधते रहेंगे वैश्य-व्यापारी को

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय सीट से मंत्री रवींद्र जायसवाल न केवल शहर उत्तरी सीट से हैट्रिक लगाए हैं बल्कि बड़ी जीत हासिल की है। आरोप-प्रत्यारोप से मुक्त रहे हैं। साथ ही व्यापारी वर्ग और वैश्य समाज से आते हैं इसलिए उनके भी मंत्री बने रहने में संशय नहीं है। मिर्जापुर से मंत्री रहे रमाशंकर पटेल इस बार भी न केवल जीते हैं बल्कि जीते के अंतर को 62000 कर लिया है। भाजपा अपने इस पटेल मंत्री को पटेल बिरादरी और अपना दल गठबंधन में संतुलन बनाए रखने के रूप में बनाए रख सकती है। वैसे भाजपा के वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश सिंह के पुत्र और चुनार से दोबारा विधायक अनुराग सिंह भी दिल्ली तक हाथ पैर मार रहे हैं।

दयाशंकर को भी मिलेगी कैबिनेट में जगह

बलिया से मंत्री रहे उपेंद्र तिवारी व आनंद स्वरूप शुक्ल इस बार क्रमशः फेफना और बैरिया से चुनाव हार गए। जिले की सात सीटों में मात्र दो सीट पर भाजपा को जीत हासिल हुई है। इसमें बलिया नगर सीट से भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह जीते तो बांसडीह से केतकी सिंह जाइंट किलर साबित हुई हैं। दयाशंकर पूर्व मंत्री स्वाती सिंह के पति के नाते तो केतकी के विधान सभा में प्रतिपक्ष के नेता रामगोविंद चौधरी को हराने के नाते मंत्री पद की दौड़ में हैं। केतकी को महिला होने का फायदा भी मिल सकता है। दावेदारी तो दोनों की मजबूत है लेकिन दोनों के क्षत्रिय समाज से होने से एक को ही मौका मिलेगा।

कांग्रेस ने बदली रणनीति, पुराने नेताओं के हाथ में कमान सौंपने की तैयारी

विधान सभा चुनाव में हार पर मंथन जारी, साइड लाइन किए गए नेताओं को आगे लाने की कवायद

» लगातार गिर रहे जनाधार से परेशान है कांग्रेस आलाकमान, वरिष्ठ नेताओं से मुलाकातों को दौर

» प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर अनुभवी नेताओं को बैठाने पर बन चुकी है सहमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस ने एक बार फिर मंथन शुरू कर दिया है। इन चुनावों में युवा नेतृत्व और नए प्रयोगों के धराशायी होने के बाद कांग्रेस अब अपने निष्कासित वरिष्ठ नेताओं को फिर से वापस लेने पर विचार कर रही है। माना जा रहा है कि पार्टी में अनुभवी नेताओं का फिर सिक्का चलेगा और युवाओं को उनके नेतृत्व में काम करने के अवसर मिलेंगे।

लोक सभा और विधान सभा चुनाव के बीच कांग्रेस के पुराने नेता या तो पार्टी छोड़ गए या फिर साइड लाइन कर दिए गए। पार्टी के ही एक नेता ने सोशल मीडिया पर 30 से ज्यादा ऐसे पूर्व विधायकों और सांसदों की सूची प्रदर्शित की जो पार्टी से नाता तोड़ चुके हैं। हाईकमान को उम्मीद थी कि नया नेतृत्व नए जोश के साथ काम करेगा, जिसके अच्छे परिणाम मिलेंगे, लेकिन हकीकत में पार्टी वह जनाधार भी खो बैठी जो खराब से खराब वक्त में उसके साथ रहा था।

सार्वजनिक रूप से कांग्रेस विधान सभा चुनाव में हार के चाहे जो कारण बताए लेकिन अंदर खाने पार्टी में उथल-पुथल मची है। टीम प्रियंका के लोग इसे प्रायोजित बता रहे हैं, पर खुद प्रियंका इसको लेकर गंभीर हैं। यही वजह है कि वह प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं से एक-एक कर मिल रही हैं। हार के कारण और पार्टी को नए सिरे से खड़ा करने के सुझाव ले रही हैं। यहां तक कि जो कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी या पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मिलना चाहते हैं, उनके लिए समय का प्रबंध किया जा रहा है। अभी तक पार्टी के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम, प्रमोद तिवारी, सतीश आजमानी, अजय राय और अजय कुमार लल्लू कांग्रेस महासचिव प्रियंका से मिलकर सुझाव दे चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक, वरिष्ठ नेताओं ने मौजूदा प्रदेश नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। इसी कारण पार्टी प्रदेश में सांगठनिक रणनीति बदलने पर विचार कर रही है, जिन नेताओं को पिछले दिनों निष्कासित किया गया था, उनमें से कई नेताओं को वापस लेने पर मंथन शुरू हो चुका है। बशर्ते इन नेताओं ने गांधी-नेहरू परिवार पर सीधे बड़े हमले न किए हों। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर वरिष्ठ अनुभवी नेता को बैठाने पर सहमति भी बन चुकी है।

प्रियंका की मेहनत पर भी फिरा पानी

23 जनवरी 2019 को प्रियंका ने आधिकारिक रूप से राजनीति में कदम रखा था और उन्हें कांग्रेस में महासचिव की जिम्मेदारी दी गई थी। साथ ही प्रियंका को पूर्वी उत्तर प्रदेश का जिम्मा भी दिया गया था। 11 सितंबर 2020 को उन्हें पूरे प्रदेश की जिम्मेदारी दी गई। अक्टूबर 2021 में प्रियंका को उस वक्त यूपी पुलिस ने हिरासत में ले लिया था जब वो पुलिस हिरासत में मारे गए व्यक्ति के परिजनों से मिलने आगरा जा रही थीं। 23 अक्टूबर 2021 को कांग्रेस की तरफ से प्रियंका ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपना अभियान बाराबंकी से शुरू किया था। उनकी तमाम कोशिशों के बावजूद प्रदेश में कांग्रेस का जनाधान नहीं बढ़ सका।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बढ़ते अपराध पर अंकुश कब?

प्रदेश में अपराधियों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। हत्या, बलात्कार, लूटपाट जैसी वारदातें आए दिन हो रही हैं। पिछले तीन दिन में अकेले प्रयागराज में आठ लोगों की हत्या कर दी गयी जबकि प्रतापगढ़ और बागपत में चौबीस घंटे में दो युवकों को मौत के घाट उतार दिया गया। ये घटनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि प्रदेश की कानून व्यवस्था का हाल क्या है। सवाल यह है कि ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बावजूद प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद क्यों हैं? अपराधों को रोकने में पुलिस तंत्र नाकाम क्यों साबित हो रहा है? स्थानीय खुफिया तंत्र क्या कर रहा है? अपराधियों को सलाखों के पीछे ले जाने में पुलिस के पसीने क्यों छूट रहे हैं? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को खोखला कर दिया है? क्या पुलिस की लचर कार्यप्रणाली ने हालात को बदतर कर दिया है? क्या कानून व्यवस्था को दुरुस्त किए बिना प्रदेश का विकास किया जा सकता है? क्या लोगों को सुरक्षा मुहैया कराना सरकार का दायित्व नहीं है?

तमाम दावों के बावजूद प्रदेश में अपराधों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। संगठित अपराधों के अलावा साइबर क्राइम भी तेजी से बढ़ रहा है। यह स्थिति तब है जब सरकार ने प्रदेश में अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रखी है। अपराधियों के खिलाफ अभियान भी चलाए जा रहे हैं। ताबड़तोड़ एनकाउंटर हो रहे हैं। बावजूद इसके हालात सुधरते नहीं दिख रहे हैं। जाहिर है इसके लिए पुलिस की लचर कार्यप्रणाली जिम्मेदार है। पुलिस और अपराधियों की मिलीभगत के कई मामले सामने आ चुके हैं। यही नहीं कई बार पुलिस खुद अपराधों में लिप्त पायी गयी है। लापरवाही का आलम यह है कि थाना क्षेत्रों में अपराध की घटनाओं को कम दिखाने के लिए एफआईआर तक दर्ज करने में आनाकानी की जाती है। खुद पुलिस आरोपियों के साथ मिलकर पीड़ित पर समझौते का दबाव बनाती है। दूसरी ओर साइबर अपराधी पलक झपकते लोगों के बैंक खातों से पैसा उड़ा रहे हैं। टप्पेबाज भी झांसा देकर लोगों को लूट रहे हैं। स्थानीय खुफिया तंत्र का हाल यह है कि उसे संगठित अपराधों की भनक तक नहीं लग पाती है। यह स्थिति बेहद खराब है क्योंकि कानून व्यवस्था के दुरुस्त नहीं रहने पर कोई भी निवेशक यहां पर निवेश नहीं करेगा। इसका सीधा असर प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। जाहिर है यदि सरकार अपराधों पर नियंत्रण लगाना चाहती है तो उसे पुलिस विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा साथ ही ऐसे कर्मियों को चिन्हित कर उन्हें दंडित भी करना होगा। इसके अलावा साइबर अपराधियों से निपटने के लिए अलग से दक्ष पुलिसकर्मियों की नियुक्ति करनी होगी ताकि साइबर अपराध पर लगाम लग सके।

“ पिछले तीन दिन में अकेले प्रयागराज में आठ लोगों की हत्या कर दी गयी जबकि प्रतापगढ़ और बागपत में चौबीस घंटे में दो युवकों को मौत के घाट उतार दिया गया। ये घटनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि प्रदेश की कानून व्यवस्था का हाल क्या है। सवाल यह है कि ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बावजूद प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद क्यों हैं?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लम्बी है गम की शाम, मगर शाम ही तो है

डॉ. अजीज कुरैशी

कम नहीं होती भटक जाने से शाने कारवां यह तो मंजिल ही की किस्मत है कि मंजिल दूर है।।

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव का फैसला हो चुका है। आज आजादी, मौलिक अधिकार और लोकतंत्र विरोधी सरकारों की ताकत का जादू हमारे मस्तिष्क पर चढ़कर बोल रहा है। मैं दिल के नगर में बुझे हुए दियों की कतारें लिए इस काली रात के घनघोर अंधेरे में यह देख रहा हूं कि सांप्रदायिकता, तंग नजरी और मानवता को टुकड़ों में बांटने वाली शक्तियों के समुद्र में जहांत तूफानी लहरें अपना राग अलाप रही हैं। एक नौजवान शेर बहादुरी, हिम्मत वलवले और इमानी जज्बे के साथ इन ताकतों का अकेले मुकाबला कर रहा है।

उ.प्र. में चुनाव की मुहिम के दौरान जो वातावरण था वह हम सबके सामने है अनेक जगहों पर भाजपा के उम्मीदवारों और उसके कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों को गांवों में घुसने नहीं दिया गया। मोदी, अमित शाह, योगी की रैलियों में खाली कुर्सियां पूरे देश ने देखीं । अपने रोड शो में टीवी पर लोगों ने अमित शाह को क्रोधित होते हुए देखा कि समाप्त करो इस रोड शो को, लोग साथ नहीं आ रहे हैं। इस तरह से जनता की भीड़ न होने की वजह से भाजपा को न जाने कितनी रैलियों को कैंसिल करना पड़ा। लेकिन इन सबके बावजूद जीत भाजपा की ही हुई। चुनाव के इन परिणामों पर न जाने कितने सवाल खड़े किये जा रहे हैं। ईवीएम बदलने की, झूठे वोट डलवाने की, नकली और डुप्लीकेट बैलेट पेपर छपवाने की, जिलाधिकारियों और अन्य चुनाव अधिकारियों के तानाशाही रवैये और बेईमानी का आतंक फैलाकर और डरा-धमकाकर वोट न डालने देने की इन तमाम अपनाये गये हथकंडों की सच्चाई साबित करने के लिए एक स्वतंत्र एजेंसी की जरूरत है जो मौजूदा भाजपा सरकार किसी कीमत पर उपलब्ध नहीं करवायेगी। मैं खुद व्यक्तिगत तौर पर यह आरोप नहीं लगा रहा हूं लेकिन चारों ओर जो बातें फैल रही है, जिसकी गूंज पूरे भारत में सुनाई दे रही है, मैं उसी को दोहरा रहा हूं।

आज के इस परिवेश में लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष, हमारा संविधान, मौलिक अधिकार, मानवीय स्वतंत्रता और भारत का उज्ज्वल भविष्य सब-कुछ खतरे में है और इसको बचाना और इसकी सम्पूर्ण सुरक्षा करना हमारा दायित्व है चाहे इसके लिए हमें अपने रक्त की आखिरी बूंद ही क्यों न खर्च करनी पड़े और आखिरी सांस तक क्यों न लड़ना पड़े। और आखिरी लड़ाई लड़नी ही होगी। अखिलेश यादव

ने अकेले जिस हिम्मत, बहादुरी और जोश के साथ देश में नफरत फैलाने वाली, इन्सानियत को बांटने वाली शक्तियों का मुकाबला किया वह पूरी तरह से सराहनीय है और हर नौजवान, किसान, महिला, मजदूर और मेहनतकश लोगों के लिए प्रशंसा के योग्य है और एक यह एक जीवन का सार है हममें से हर एक को शपथ लेकर यह प्रण करना है और ऐलान करना है कि जब तक लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्ष और स्वतंत्रता विरोधी ये शक्तियां धरातल में नहीं चली जायेगी हम हर कदम पर हर मोर्चे पर इनका मुकाबला करेंगे और उनका मुंहतोड़ जवाब देकर उनको परास्त नहीं कर देते, जुल्म नाइन्साफी और तानाशाही के इन बादलों का सीना चीरकर जब तक एक नये सूरज का उदय नहीं करा देंगे उस समय तक हम चैन से नहीं बैठेंगे और जब तक हर आंख से चुन-चुनकर एक -एक आंसू नहीं पोंछ देंगे उस समय तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। अखिलेश यादव सेनापति हैं, उन्हें बिना किसी बात की परवाह किये हुए अंधेरे की इन शक्तियों के विरुद्ध अपना संघर्ष और युद्ध मजबूती के साथ लड़ना होगा ताकि इन अमावस की अंधेरी रातों को हमेशा-हमेशा के लिए समाप्त कर दिया जाये। अखिलेश यादव प्रधानमंत्री के योग्य उम्मीदवार हैं उनसे भारतवर्ष के भविष्य की अपेक्षाएं हैं।

आज भारतवर्ष की लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष, मौलिक अधिकार और स्वयं हमारे संविधान पर खतरे के बादल छाये हुए हैं और उसके लिए हमारे नौजवानों, किसानों, मजदूरों, छात्रों, महिलाओं, बुद्धिजीवियों यानी हर वर्ग को आगे आना होगा और पूरे देश में एक लोकतांत्रिक वैधानिक आन्दोलन शान्तिपूर्वक ढंग से महात्मा गांधीजी के बताये रास्ते पर चलकर करना होगा ताकि इस घनी अंधेरी रात का खात्मा किया जा सके। इसके लिए असहयोग आन्दोलन, खिलाफत आन्दोलन, नमक सत्याग्रह भारत छोड़ो आन्दोलन व दांडी मार्च जैसे आन्दोलन संगठित रूप से चलाकर नया रास्ता खोजना होगा ताकि भारत बच जाये। इसके लिए आवश्यक है कि अखिलेश यादव और उनके नये चुने हुए विधायकों और समाजवादी पार्टी के तमाम मुख्य नेता मुलायम सिंह यादव के कदमों की धूल अपने मस्तक पर लगाकर नये संघर्ष का संकल्प लें कि इन दुश्मन शक्तियों के विरुद्ध नये युद्ध की घोषणा करें । इसी के साथ वह प्रो. राम गोपाल यादव व शिवपाल यादव का आशीर्वाद लें क्योंकि नेताजी समाजवाद के कारवां के रथ के श्रीकृष्ण थे और प्रोफेसर रामगोपाल यादव और शिवपाल यादव उनके अर्जुन और भीम थे जिनके कारण आज समाजवादी आन्दोलन देश में जिन्दा है।

देखो ये मेरे ख्वाब से देखो ये मेरे जख्म हैं
मैंने तो सब हिसाब-ए-जाँ बरसरे आम रख दिया ।

(लेखक, यूपी, उत्तराखंड और मिजोरम के पूर्व गवर्नर हैं)

वनाग्नि में झुलसता वनों का भविष्य

अपने देश में 35.47 प्रतिशत वन ऐसे हैं, जिन्हें ऐसी घटनाओं की दृष्टि से ज्यादा संवेदनशील माना गया है। तीन लाख से ज्यादा घटनाएं पिछले साल हुईं और अभी नवंबर से अब तक आठ हजार से ज्यादा घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें सबसे ज्यादा घटनाएं महाराष्ट्र, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, असम और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में घटी हैं। इस संबंध में सात राज्य ज्यादा महत्वपूर्ण माने जाते हैं क्योंकि वहां जैव विविधता बेहतर है और वनाग्नि बड़ी चोट जैव विविधता पर ही करती है।

अनिल प्रकाश जोशी

वनाग्नि को लेकर फिर चिंताएं शुरू हो चुकी हैं। सरकारी पहल के अनुसार 15 फरवरी के बाद होनेवाली तैयारियों की वजह यह है कि इसी समय बढ़ती गर्मी के साथ जहां एक तरफ पतझड़ जोर पकड़ता है, वहीं गर्मी वातावरण को शुष्क बना देती है। किन्हीं कारणों से अगर एक बार वन आग की चपेट में आता है तो घटनाएं बढ़ती चली जाती हैं। इतिहास साक्षी है कि वनाग्नि हमेशा से एक बड़ी चिंता रही है लेकिन पिछले कुछ समय से लगातार इस दानव ने जिस तरह से वनों को लीला है, वह एक बड़ा सवाल अपने ही देश का नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का है। वनों की आग के पीछे सबसे महत्वपूर्ण कारण ग्लोबल वार्मिंग यानी पृथ्वी का बढ़ता तापक्रम है। इससे जहां एक तरफ तूफानों ने जोर पकड़ा है, वहीं शुष्क वातावरण और आग इस दानव को बहुत बड़ा बना देते हैं।

अपने देश में 35.47 प्रतिशत वन ऐसे हैं, जिन्हें ऐसी घटनाओं की दृष्टि से ज्यादा संवेदनशील माना गया है। तीन लाख से ज्यादा घटनाएं पिछले साल हुईं और अभी नवंबर से अब तक आठ हजार से ज्यादा घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें सबसे ज्यादा घटनाएं महाराष्ट्र, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, असम और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में घटी हैं। इस संबंध में सात राज्य ज्यादा महत्वपूर्ण माने जाते हैं क्योंकि वहां जैव विविधता बेहतर है और वनाग्नि बड़ी चोट जैव विविधता पर ही करती है। मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उड़ीसा और तेलंगाना में बेहतर वन हैं। ये मात्र स्थानीय पारिस्थितिकी को ही संरक्षण नहीं देते, बल्कि आर्थिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण हैं। इन राज्यों में लगातार अग्नि घटना घटती चली जा रही हैं। माना गया है कि अगर समय पर वनाग्नि पर नियंत्रण नही लगा तो इनसे सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिकीय नुकसान हो सकते हैं। भारत में करीब बीस हजार वर्ग किलोमीटर में ऐसे वन हैं जो अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में आते हैं। इनके अलावा करीब पांच लाख वर्ग किलोमीटर में संवेदनशील वन हैं। ऐसे में जो कुछ भी तैयारी हम वनाग्नि के लिए करते हैं, यह समय है कि एक बार हम गंभीरता से विश्लेषण कर लें कि पिछले एक दशक से हमारे कदम कितने कारगर रहे हैं।

यह देखने में भी आया है कि खासतौर से कुछ राज्यों, जैसे उत्तराखंड और मध्यप्रदेश में वनाग्नि की घटनाएं लगातार लंबे समय से घट रही हैं। उत्तराखंड में खासतौर से बदलती प्रजातियों, जिनमें चीड़ जैसे जंगल या खर-पतवार (जैसे लैंटाना प्रजाति) वनाग्नि को हवा देने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि हम पहले के कदमों की गंभीर समीक्षा करें। हम कभी-कभी निम्न स्तर पर उतर कर वनों की आग के लिए स्थानीय लोगों को दोष देने लगते हैं। हमें नहीं भूलना चाहिए कि इस तरह के दोषारोपण से हमें कुछ हासिल नहीं होगा क्योंकि हम जो खोते हैं, वह सबके हिस्से का होता है और ऐसे में सामूहिकता का सवाल बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि जब से वनों को वन विभाग के दायित्व का हिस्सा मान लिया गया और यह भ्रम की स्थिति पैदा हो गयी कि स्थानीय लोगों का इन वनों से कुछ लेना-देना नहीं है, तब से ऐसी घटनाएं बढ़ी हैं।

स्थानीय लोगों ने किसी भी रूप में अपनी भागीदारी बिल्कुल शून्य कर दी। वनाग्नि के इस दानव ने उत्तराखंड, मध्य प्रदेश या फिर देश के अन्य कोनों में वनों को राख कर दिया। हमें अपनी वन नीति को नयी दृष्टि से भी देखने की कोशिश करनी चाहिए कि किस तरह वनों में स्थानीय भागीदारी को बढ़ाया जा सकता है, जहां सुरक्षा व संरक्षण की भी व्यवस्था हो और उनके भी हित साधे जा सकते हों। पारिस्थितिकी तंत्र को हम पहले ही बड़ी चोट पहुंचा चुके हैं। ऐसे में वनाग्नि कितना बड़ा नुकसान पहुंचा पायेगी, यह भी हमें अब समझ में आ जाना चाहिए इसलिए हमारी रणनीति में सामूहिकता होनी चाहिए। ये वन विभाग के बूते की बात ही नहीं है कि वनों को इतने बड़े व्यापक क्षेत्रों में इस दावानल से अकेले जूझ सकें। उत्तराखंड को ही देखें, यहां वन पंचायतें अपने-आप में एक महत्वपूर्ण स्थायी इकाई हैं, जिनका सीधा-सीधा वनों से लेना-देना है। इन वन पंचायतों को वनों से नये सिरे से वनाग्नि से जूझने के लिए जोड़ना होगा।

पिछले चार दशकों से हमारी वन नीतियां बेहतर प्रबंधन नहीं कर पायीं जबकि इससे पहले वन लोगों की कृपा से पनपते और फलते-फूलते थे। आज हमें नयी अनूठी पहल की भी आवश्यकता है। यह साफ है कि किसी भी हालत में वर्तमान वन नीति और इसकी शैली और लोगों की वनों से बढ़ती दूरी और अधिकार हमें बचे-खुचे वनों से भी शायद वंचित कर देंगे। यह स्पष्ट है कि जंगल व गांव के अपने रिश्ते होते हैं। वनवासियों के उन रिश्तों को नयी शैली में जोड़ना चाहिए, जहां इनका संरक्षण भी हो और उनकी रूचि भी बनी रहे। ऐसी पहल की आज सबसे बड़ी आवश्यकता है वरना समय पर गंभीर निर्णय न लेने की स्थिति में हम अपने सामने इन वनों को खो देंगे। हमारी नीतियां व तमाम रिकॉर्ड, जो वनों से संदर्भित हैं, ये वनाग्नि उनको खाक कर देगी।

विटामिन और मिनरल्स से भी भरपूर होते हैं छोले

छोले को कम्पलीट प्रोटीन कहा जाता है क्योंकि इसमें नौ तरह के जरूरी अमिनो एसिड होते हैं, जो ब्लॉक्स बनाते हैं जिससे शरीर अच्छी तरह से फंक्शन करता है। अगर आप शाकाहारी हैं तो ये आपके लिए प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स है। इसके अलावा, छोले विटामिन और मिनरल्स से भी भरपूर होते हैं। इनमें कोलीन शामिल है, जो आपके दिमाग और नर्वस सिस्टम को चलाने में मदद करता है। छोले में फोलेट, मैग्नीशियम, पोटेशियम और आयरन भी होता है। इसी वजह से छोले को हेल्दी माना जाता है।

वेट लॉस में छोले

छोले प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होते हैं और ये दोनों ही चीजें वेट लॉस में मदद करती है। फाइबर पेट को भरा रखने में मदद करता है, और प्रोटीन भूख को शांत करने में मदद करता है। छोले में मौजूद फाइबर आपके पाचन का ख्याल रखता है। इसी के साथ कई रिपोर्ट्स के मुताबिक छोले वेट लॉस प्लान को ट्रैक पर रखने में मदद करते हैं। हाई फाइबर और प्रोटीन के कारण, छोले वजन घटाने वाले डायट के लिए अच्छे हैं क्योंकि ये आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखने में मदद करते हैं और भूख को नियंत्रित करते हैं।

छोले

छोले खाने के फायदे

दिल के स्वास्थ्य को करता है बेहतर

छोले में हाई फाइबर, पोटेशियम, विटामिन सी और विटामिन बी -6 होता है, जो हार्ट हेल्थ को बढ़ावा देने में मदद करती है। छोले में अच्छी मात्रा में फाइबर होता है, जो ब्लड में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करने में मदद करता है और इस तरह दिल के मरीजों के जोखिम को कम करता है।

शुगर लेवल को कम करता है

रिपोर्ट्स के मुताबित छोले का इंडेक्स 10 है, जो दूसरे बीन्स की तुलना में काफी कम है। ऐसे में ये ब्लड शुगर के लेवल को बढ़ने से रोकने के लिए अच्छा है।

कॉन्सटिपेशन रोकता में मददगार

छोले में फाइबर की खूब मात्रा होती है, ऐसे में यह कॉन्सटिपेशन रोकने में मदद करता है।

सूजन को कम करता है

छोले में कोलाइन नींद, मांसपेशियों की मूवमेंट और याददाश्त में सपधार करने में मदद करता है। ये पुरानी सूजन को कम करने में भी मदद करता है।

क्या रात में खा सकते हैं छोले?

रिपोर्ट्स के मुताबिक रात में छोले खाए जा सकते है। क्योंकि छोले में विटामिन बी 6, मैग्नीशियम होता है। साथ ही इसमें ट्रिप्टोफैन होता है जो हेल्दी और अच्छी नींद पाने में मदद करता है।

ग्लूटेन फ्री खाने वालों के लिए अच्छा ऑप्शन

सीलिएक रोग से पीड़ित लोगों में ग्लूटेन के प्रति संवेदनशीलता विकसित हो जाती है, जिससे खाने में चॉइस करना मुश्किल हो सकता है। हालांकि, छोला एक अच्छा ऑप्शन है क्योंकि ये नेचुरली ग्लूटेन फ्री होता है।

वेट लॉस के दौरान कैसे खाएं

छोला पचने में समय लेता है और पेट भरा हुआ महसूस करता है। ऐसे में ये बेटाइम लगने वाली भूख से बचा सकता है। अगर आप वेट मेंटेव करने के लिए इसे खा रहे हैं तो रात में थोड़े से छोले को भिगो दें, फिर सुबह इन्हें उबाल लें। इसे छाने और फिर इसमे सब्जियां जैसे प्याज, खीरा, टमाटर, स्वीट कॉर्न आदि डालें। अपने स्वाद के अनुसार नींबू का रस और नमक डालें, फिर इसे खाने से पहले या फिर खाने के साथ खाएं।।

हंसना मना है

शादी के कार्ड पर लिखा था,'कृपया शराब पीने वाले शादी में ना आएं' कमबख्त दूल्हा ही शादी में नहीं आया.....

रवि दुकानदार से: सफोला ऑयल देना दुकानदार : लो। रवि: इसके साथ फ्री गिफ्ट नहीं दिया। दुकानदार: इसके साथ कुछ फ्री नहीं है। रवि: इसमें तो लिखा है Cholestrol Free

अपने बेटे के रिपोर्ट कार्ड पर पिता ने अंगूठा लगाया। बेटा: पापा आप तो इंजिनियर हो, फिर ये अंगूठा क्यों लगाया? पिता: तेरे मार्क्स देखकर टीचर को नहीं लगना चाहिए कि तेरे बाप पढ़ा लिखा है।

सचिन पहाड़ों पर पैराशूट बेच रहा था एक ग्राहक : अगर पैराशूट नहीं खुला तो? सचिन : तो आपके पूरे पैसे वापस...

टीचर : इंसान वो है जो हमेशा दूसरों की मदद करे। स्टूडेंट: लेकिन परीक्षा के समय ना तो आप खुद इंसान बनती हो और ना ही दूसरों को बनने देती हो।

लड़का (अपनी गर्लफ्रेंड से): पिज्जा खाओगी? गर्लफ्रेंड: नहीं, आज कल मैं 'लाइट' खा रही हूं! लड़का (वेटर से): मेरे लिए एक पिज्जा ले आइए और ये मैडम के लिए दो 'एलईडी बल्ब'!!

कहानी — नाम की महिमा

बीरबल बुद्धिमान होने के साथ-साथ राम के भक्त भी थे। अकबर जहां भी जाते, बीरबल को साथ लेकर जाते थे। एक बार वे किसी शाही कार्य से जा रहे थे तो उन्हें घने जंगल से गुजरना पड़ा। इस यात्रा से दोनों थक गये और परेशान भी हो गये थे। अत: उन्होंने एक पेड़ के नीचे विश्राम करने का निर्णय लिया और फिर अपनी यात्रा आगे बढ़ाएंगे। अकबर को भूख लगी थी, तो उन्होंने आसपास देखा कि कोई घर मिल जाए तो कुछ खाने का इंतजाम हो। उन्होंने बीरबल से भी पूछा, लेकिन बीरबल तो राम नाम जप रहे थे, तो उससे बोले, केवल भगवान का नाम जपने से वो तुम्हारे लिए भोजन लेकर नहीं आयेंगे। तुम्हें स्वयं प्रयास करना पड़ेगा। अन्यथा तुम्हें कुछ नहीं मिलेगा। ऐसा कहने के बाद अकबर बीरबल को छोड़कर भोजन की तलाश में निकल पड़े। थोड़ी देर बाद उन्हें एक घर नजर आया। घर में रहने वाला परिवार बादशाह को अपने दरवाजे पर भोजन के लिए आता देख खुश हुआ उन्होंने उन्हें भोजन कराया। अकबर ने खाना समाप्त करा और बीरबल के लिए भी थोड़ा खाना ले लिया। वह वापस आकर बीरबल को खाना देते हुए बोले, देखो, बीरबल, मैंने तुम्हें कहा था, मैंने प्रयास किया तो मुझे भोजन मिल गया और तुम्हें कुछ नहीं मिला। बीरबल बादशाह की बातों को अहमियत न देकर खाना खाने लगे। खाना समाप्त करने के बाद, उसने अकबर की तरफ देखा और बोला, मैंने राम नाम की महिमा का अनुभव इससे पहले कभी नहीं किया। आप बादशाह हैं, लेकिन आज बादशाह को भी भोजन मांगकर खाना पड़ा और मुझे देखिए। मैं यहां पर केवल राम नाम जप रहा था और राम नाम के कारण बादशाह स्वयं मेरे लिए भोजन लेकर आया, वह भी मांगकर। तो मैंने यहां बैठे बैठे ही भोजन प्राप्त कर लिया। यही तो राम नाम की शक्ति है।

शिक्षा : अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए आपके पास अनेकों स्रोत होते हैं। यह आपके ऊपर है कि आप अपने स्वभाव, परिस्थिति और परिणाम देने वाले को चुनते हैं और अगर वह आपको मिल जाता है तो प्रार्थना आपकी जरूरत को पूरा करने में मदद करती है। अत: उसका उपयोग करें।

10 अंतर खोजें

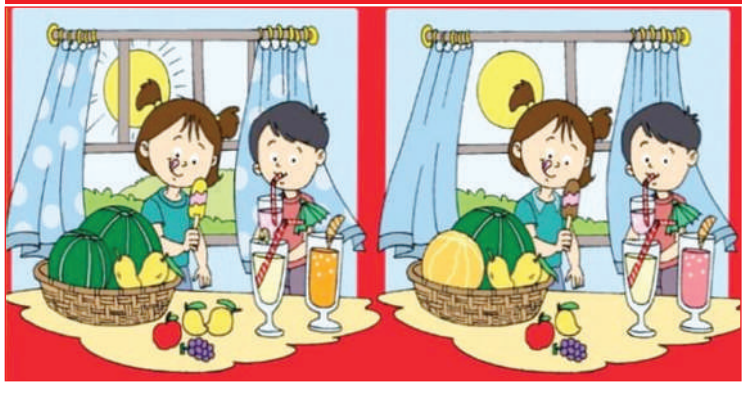

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

यदि आप कई दिनों से नौकरी में स्थानांतरण को लेकर चिंतित हैं तो आज आपकी परेशानियां समाप्त हो सकती हैं। परिवार में खुशियां आएंगी। घर पर कोई मित्र आपसे मिलने आ सकता है।

वृषभ

आज आपकी कोई खास इच्छा पूरी हो सकती है। कोई जरूरी काम पूरा होने से मन प्रसन्न रहेगा। किसी पुराने मित्र से मिलने उसके घर जा सकते हैं। संबंधों में सुधार होगा। शत्रु पक्ष आपसे दूरी बनाए रखेगा।

मिथुन

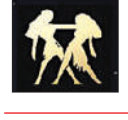

योग और आध्यात्मिक क्षेत्र के लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। विदेश यात्रा के योग बनेंगे। आपके परिवार का सहयोग मिलेगा। आज आप कोई नई योजना बनाएंगे। आपकी कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

कर्क

आज सामाजिक स्तर पर वृद्धि होगी। धन-दौलत के मामले में स्थिति अच्छी रहेगी। अगर आप मेहनत और लगन से करेंगे तो आपको सफलता मिल सकती है। आज कई मामलों में प्रगति होगी।

सिंह

अचानक यात्रा करना थका देने वाला साबित होगा। इस दिन निवेश करने से बचना चाहिए। संपत्ति को लेकर विवाद हो सकता है। हो सके तो ठंडे दिमाग से इसे सुलझाने की कोशिश करें।

कन्या

आर्थिक स्थिति अच्छी होने के कारण आपके लिए जरूरी चीजें खरीदना आसान हो जाएगा। अपने आप में दोष खोजने के लिए विवादों, मतभेदों और दूसरों की आदत पर ध्यान न दें। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे।

तुला

आज पढ़ाई में तरक्की होगी। आपके नेतृत्व के गुण आपके करियर को बेहतर बनाने में फायदेमंद साबित होंगे। एक निश्चित उद्देश्य के लिए काम करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यस्थल पर आपकी काफी प्रशंसा होगी।

वृश्चिक

आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगेगा। माता-पिता के साथ मंदिर जा सकते हैं। काम से जुड़ी समस्याओं से आपको राहत मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों को काम का सुनहरा मौका मिल सकता है।

धनु

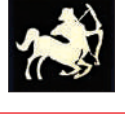

आज आपकी बौद्धिक क्षमता आपको अपनी कमियों से लड़ने में मदद करेगी। पैसों के मामले में आपको दूसरों की सलाह मानने के बजाय अपने मन की बात सुननी चाहिए।

मकर

बेवजह का तनाव और चिंताएं जीवन का रस निचोड़कर आपको पूरी तरह से चूस सकती हैं। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित स्थान पर रखें, जो आपको भविष्य में वापस मिल सके। इन आदतों को छोड़ देना ही अच्छा है।

कुम्भ

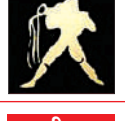

इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में उलझा सकती है। रिश्तेदारों से मिलने जाना आपकी कल्पना से कहीं बेहतर होगा। आपको प्यार के सकारात्मक संकेत मिलेंगे।

मीन

आज किसी काम को पूरा करने में अधिक समय लग सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरूरत है। ज्यादा भागदौड़ आपकी परेशानी बढ़ा सकती है। बच्चों के साथ कम समय बिता पाएंगे।

बधाई, सोनम के घर गूंजेगी किलकारी

बॉलीवुड | मसाला

अनिल कपूर की बेटी सोनम कपूर के घर जल्द ही किलकारियां गूंजने वाली हैं। जी हां, एक्ट्रेस के घर में जल्द ही नन्हा मेहमान आने वाला है। इंडस्ट्री में अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर सोनम अब मां बनने वाली हैं। इस खबर के सामने आते हैं फैंस के साथ-साथ तमाम यूजर्स की खुशी का कोई भी ठिकाना नहीं रह गया है। अब सोनम ने अपने चाहने वालों के बीच एक पोस्ट शेयर कर फैंस को गुड न्यूज दी है। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तीन तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में सोनम के साथ उनके हसबैंड आनंद आहुजा भी दिखाई दे रही हैं। इनमें सोनम मोनोकिनी पहन आनंद की गोद में सिर रखकर काउच पर लेटी हुई हैं और बेहद खूबसूरत लग रही हैं। तस्वीरों में सोनम के पति आनंद आहूजा अपनी लविंग वाइफ पर खूब प्यार लुटा रहे हैं और उन्हें काफी पेंपर कर रहे हैं। अपने इस पोस्ट में सोनम ने तीन तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें दो ब्लैक एंड व्हाइट हैं और एक कलर्ड फोटो है। एक्ट्रेस की जिंदगी में अब खुशियों के रंग भरने के लिए नन्हे मेहमान की एंट्री होने जा रही है। पोस्ट शेयर करते हुए सोनम ने कैप्शन में लिखा, चार हाथ, जो आपको जितना हो सके उतने अच्छे से आपकी परवरिश करेंगे। दो दिल जो आपके साथ धड़केंगे। एक परिवार जो आपको प्यार और सपोर्ट देंगे। हम आपके आने का इंतजार कर रहे हैं। लोगों को एक्ट्रेस का ये कैप्शन खूब पसंद आ रहा है। सोनम की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।बॉलीवुड सितारों के भी कमेंट्स आने शुरू हो गए हैं।

एक-दूजे के हो जाएंगे तेजस्वी और करण कुंद्रा

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

सलमान खान का विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 15 के घर में बनी टीवी एक्टर करण कुंद्रा और एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश की जोड़ी इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि फैंस द्वारा इस कपल को खूब प्यार मिला है। इतना ही नहीं, इनके चाहने वाले तेजस्वी और करण को एक साथ देखने के लिए बेकरार रहते हैं। शो के दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई और ये दोस्ती बहुत जल्द प्यार में भी बदल गई। शो से बाहर आने के बाद भी दोनों को प्यार कायम है। तेजस्वी और करण की केमिस्ट्री दर्शकों को काफी पसंद आती है। ऐसे में फैंस दोनों को शादी के बंधन में बंधना देखना चाहते हैं। सोशल मीडिया पर अक्सर दोनों की शादी को लेकर कई सवाल उठते हैं, लेकिन अब अभिनेता ने खुद तेजस्वी संग शादी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। हाल ही में दिन एक इंटरव्यू में करण ने कहा कि मैंने मान लिया है कि मेरी और तेजस्वी की शादी हो रही है। यह भारत में पहली ऐसी शादी होगी जो लोगों मे तय कर ली है और ये होकर रहेगी। इस खबर के सामने आते ही फैंस की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रह गया है। इसके साथ करण ने ये भी कहा कि, मेरे लिए ये जानना बहुत जरूरी है कि मेरे माता-पिता क्या चाहते हैं? उन्होंने अपना जीवन हमें समर्पित कर दिया है। हम स्वार्थी नहीं हो सकते। मेरा मानना है कि जब दो लोग रिलेशनशिप में होते है तो दो परिवार एक साथ आते है। हालांकि ये अच्छी बात है कि वह उसे पसंद करते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

हर भारतीय को द कश्मीर फाइल्स जरूर देखनी चाहिए : आमिर खान

कश्मीर फाइल्स जब से रिलीज हुई है, फिल्म ने सिनमाघरों में तहलका मचा दिया है। फिल्म की इमोशनल और दमदार स्टोरीलाइन दर्शकों के दिलों पर ऐसा गहरा असर डाल रही है कि हर जगह सिर्फ इसी फिल्म की ही चर्चा है। आम जनता से लेकर बॉलीवुड हस्तियों तक, हर कोई द कश्मीर फाइल्स की तारीफ करते नहीं थक रहा है। अब बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान भी द कश्मीर फाइल्स की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। आमिर खान ने हाल ही में कहा कि हर इंडियन को द कश्मीर फाइल्स जरूर देखनी चाहिए। दरअसल, आमिर खान और आलिया भट्ट ने बीते दिन फिल्म RRR के लिए दिल्ली में एक इवेंट अटेंड किया था। इवेंट में मीडिया संग बातचीत के दौरान आमिर से द कश्मीर फाइल्स पर उनकी राय पूछी गई। इस पर एक्टर ने कहा- जी जरूर देखूंगा मैं। वो इतिहास का ऐसा हिस्सा है जो दिल दुखाता है। जो कश्मीरी पंडितों के साथ हुआ है, वो दुख की बात है और ऐसी फिल्म जो बनी है उस टॉपिक पर, वो यकीनन हर हिंदुस्तानी को देखनी चाहिए। आमिर खान ने आगे कहा- फिल्म की सबसे खूबसूरत बात ये है कि फिल्म ने उन सभी लोगों की भावनाओं को छुआ है, जो इंसानियत में यकीन रखते हैं। आमिर ने कहा- मैं जरूर ये फिल्म देखूंगा और मैं ये देखकर खुश हूं कि फिल्म सक्सेसफुल हो रही है विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स कश्मीरी पंडितों की तकलीफों और उनके साथ हुए जुल्म पर बेस्ड है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही है। कई राज्यों में फिल्म को टैक्स फ्री कर दिया गया है। द कश्मीर फाइल्स का स्टार फिल्म की स्टोरी के साथ अनुमप खेर को भी बताया जा रहा है। एक्टर के रोल और अभनिय की हर तरफ चर्चा हो रही है।

अनोखा रेलवे स्टेशन, जहां राजस्थान में लगती है लाइन और मध्य प्रदेश में मिलता है टिकट

भारत में कई ऐसी रोचक जगहें हैं जिनके बारे में जानने पर आपको यकीन नहीं होगा। दिल्ली और मुंबई रेल रूट पर एक रेलवे स्टेशन है जो दो राज्यों में पड़ता है। यह जानकर आपको बेशक विचित्र लग रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। राजस्थान के झालावाड़ जिले में पड़ने वाले इस स्टेशन पर आधी ट्रेन एक राज्य में खड़ी होती है, तो आधी दूसरे राज्य में। कोटा संभाग में पड़ने वाले इस स्टेशन का नाम भवानी मंडी रेलवे स्टेशन है जो राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच बंटा हुआ है। भारत में यह अपनी तरह का इकलौता रेलवे स्टेशन है। इस अनोखे रेलवे स्टेशन पर दोनों राज्यों की संस्कृति की झलक दिखाई देती है। मध्य प्रदेश और राजस्थान की सीमा पर स्थित यह रेलवे स्टेशन कई मायनों में बेहद खास है। इस स्टेशन की सबसे खास बात यह है कि यहां पर लोग टिकट लेने के लिए राजस्थान में खड़े होते हैं और टिकट देने वाला क्लर्क मध्य प्रदेश में बैठता है।

मध्य प्रदेश के लोगों को हर छोटे बड़े काम के लिए भवानी मंडी स्टेशन ही आना पड़ता है। इसलिए दोनों राज्यों के लोगों में आपसी प्रेम और सौहार्द दिखाई देता है। राजस्थान की सीमा पर स्थित लोगों के घर के आगे का दरवाजा भवानी मंडी कस्बे में खुलता है, तो वहीं पीछे का दरवाजा मध्य प्रदेश के भैंसोदा मंडी में खुलता है। दोनों राज्यों के लोगों की बाजार भी एक ही है। दोनों राज्यों के सीमावर्ती इलाके नशीले पदार्थों के कारोबार के लिए बदनाम हैं। मध्य प्रदेश में चोरी कर राजस्थान में भाग जाते हैं, तो वहीं राजस्थान में चोरी कर मध्य प्रदेश में भाग जाते हैं। सीमावर्ती इलाका होने की वजह से तस्कर इसका फायदा खूब उठाते हैं। इसलिए कभी कभी दोनों राज्यों की पुलिस के बीच सीमा को लेकर विवाद भी हो जाता है। इस रेलवे स्टेशन के नाम पर एक फिल्म भी बनी है। इस कॉमेडी फिल्म का नाम Bhawani Mandi Tesan है जिसको सईद फैजान हुसैन ने निर्देशित किया है। इस फिल्म में जयदीप अल्हावत जैसे कलाकारों ने अहम किरदार निभाया है।

अजब-गजब | रहस्य जानकर रह जाएंगे हैरान

यहां 700 सालों से चूहों के बिल में रह रहे हैं लोग, बहुत खास हैं ये घर

इस दुनिया में कई अजीबोगरीब चीजें हैं, जिनके बारे में जानकर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसा ही एक अजीबोगरीब गांव भी है, जहां लोग चूहों के बिल में रहते हैं। दरअसल, इस गांव में लोगों के घर चूहों के बिल जैसे हैं। यह अजीब गांव ईरान में है। इसे कंदोवन गांव के नाम से जाना जाता है। यहां सैंकड़ों सालों से लोग इसी तरह के घरों में रहते हैं। यह गांव अपने घरों की बनावट से काफी पॉपुलर है। इसके पीछे की कहानी आपको बता रहे हैं कि आखिर लोग चूहों के बिल जैसे घरों में क्यों रहते हैं।

चूहों के बिल जैसे हैं यहां के घर

दुनिया में कई गांव अपनी अजीबोगरीब परंपराओं के लिए मशहूर है। वहीं ईरान का कंदोवन गांव भी अपने घरों की बनावट के लिए मशहूर है। यहां लोग ऐसे घरों में रहते हैं, जो दिखने में बिल्कुल चूहों का बिल जैसे हैं। यहां लोग चूहों की बिल की तरह अपने घरों को क्यों बनाते हैं, इसके पीछे भी एक कारण है। जानते हैं इसके बारे में।

गर्मी में नहीं होती एसी की जरूरत

ईरान के कंदोवन गांव में बने घर देखने में

अजीब लगते हैं लेकिन ये हैं काफी आरामदायक। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह कंदोवन गांव करीब 700 साल पुराना है। यहां के घरों की खासियत यह है कि यहां गर्मी में न तो एसी की जरूरत पड़ती और ना ही सर्दी में हीटर की। दरअसल, गर्मी के मौसम में ये घर ठंडे रहते हैं और सर्दी में गर्म। यहां रह रहे लोगों के अनुसार, ईरानियों ने यह गांव मंगोलों के हमलों से बचने के लिए बनाए थे। कंदोवन के प्रारंभिक निवासी यहां हमलावर मंगोलों से बचने के लिए आए थे। वे छिपने के लिए ज्वालामुखी चट्टानों में ठिकाना खोदा करते थे और वहीं उनका स्थायी घर बन जाता था। अब दुनियाभर में यह गांव अपने अनोखे घरों के लिए पहचाना जाने लगा है।

अब भी जनता से झूठ बोल रही भाजपा, पूरे करे वादे : अखिलेश

- महंगाई और बेरोजगारी से लोग निराश
- चुनाव में जो हुआ उस पर चर्चा न हो इसलिए रिलीज हुई द कश्मीर फाइल्स
- बसपा ने अंदर खाने भाजपा से मिला लिया है हाथ, सपा की सीटें और वोट प्रतिशत बढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आजमगढ़। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा सरकार पर हमला बोला। आजमगढ़ पहुंचे सपा प्रमुख ने कहा कि विधान सभा चुनाव में क्या हुआ इस पर चर्चा न हो सके इसीलिए 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म को रिलीज किया। कश्मीर फाइल्स फिल्म के टैक्स से जो पैसा इकट्ठा हो रहा है, उसके मुनाफा कश्मीरी पंडितों के स्थापन पर खर्च होना चाहिए। इसके लिए कमेटी का गठन होना चाहिए जिसमें राजनीतिक नेता न हों।कमेटी में केवल कश्मीरी पंडित ही शामिल हों।

उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। युवा नौकरी न मिलने से निराश हो गए हैं। पिछले पांच साल में एक भी भर्ती नहीं हुई। भाजपा ने पहले भी झूठ बोला और अब भी झूठ बोल रही है। उम्मीद है कि सरकार पिछले घोषणा पत्र व नए घोषणा पत्र पर काम करे ताकि युवाओं को रोजगार मिल सके। चुनाव में बसपा के प्रदर्शन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बसपा क्या कर रही थी। डॉ. भीमराव आंबेडकर का सपना था कि संविधान बचे। उन्होंने कहा कि यह सुनने में आ रहा है कि बसपा ने अंदर ही अंदर भाजपा से हाथ मिला लिया। सपा को अब आंबेडकरवादियों के साथ चलना होगा। वहीं उन्होंने सीएम योगी के शपथ ग्रहण समारोह में जाने के सवाल पर कहा कि वह कार्यक्रम में नहीं जाएंगे क्योंकि उन्हें बुलाया ही नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि एमएलसी चुनाव बड़ी चुनौती है। इसमें प्रशासन से भी लड़ना है। एमएलसी चुनाव में प्रत्याशियों के नाम पर यादव न लिखे जाने के सवाल पर कहा कि भाजपा यदि जातिवादी राजनीति करे तो वह सोशल इंजीनियरिंग है लेकिन जब समाजवादी पार्टी करती है तो वह जातिवादी। उन्होंने कहा कि सपा की सीटें बढ़ी हैं और वोट प्रतिशत भी बढ़ रहा है। इस बार हमने यह जाना है कि वोट प्रतिशत कैसे बढ़ेगा। आने वाले समय में जो चुनाव होगा न केवल भाजपा की सीटें कम होगी बल्कि उनका वोट घटाने का काम जनता करेगी। जनता ने बहुमत दिया है तो इस बार भाजपा झूठ बोलकर जनता को निराश न करे।

फिल्म को लेकर एसीपी के ड्राइवर और गनर में मारपीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। द कश्मीर फाइल्स फिल्म को लेकर एसीपी गोविंदनगर के ड्राइवर और गनर के बीच मारपीट हुई। गनर ने खुद को एसीपी बाबूपुरवा का रिश्तेदार बता रौब गांठा तो डीसीपी ने दोनों को लाइन हाजिर कर दिया। इसके बाद गनर ने स्वरूप नगर थाने में ड्राइवर के खिलाफ मारपीट और धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले की जांच चल रही है।

गोविंद नगर एसीपी विकास पांडेय के ड्राइवर स्वतंत्र कुमार और गनर नरेश सिंह होली के दिन स्वरूप नगर स्थित एसीपी के आवास के बाहर खड़े थे। दोनों के बीच द कश्मीर फाइल्स फिल्म को लेकर बातचीत शुरू हुई। नरेश ने स्वरूप नगर पुलिस को बताया कि बातचीत के दौरान स्वतंत्र कुमार फिल्म को लेकर ताने मारने लगा। वह गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। ये देख अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे और दोनों को अलग किया। मामले की जानकारी उन्होंने उच्चाधिकारियों को दी। मामले की जानकारी जब डीसीपी को हुई तो उन्होंने दोनों को लाइन हाजिर कर दिया। मामले की जांच हो रही है।

पुलिस ने घर के सामने खड़ा कर दिया बुलडोजर, खौफ से आरोपी ने किया सरेंडर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रतापगढ़। रेलवे स्टेशन पर महिला के साथ दुष्कर्म के आरोपी शुभम मोदनवाल उर्फ अन्ना ने घर पर बुलडोजर चलने के भय से पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। घटना के बाद से वह फरार चल रहा था और पुलिस उसकी खोजबीन कर रही थी लेकिन वह पुलिस के हाथ नहीं लग रहा था। पुलिस का यह तरीका क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

- प्रतापगढ़ में विवाहिता से दुष्कर्म कर फरार था आरोपी, क्षेत्र में हो रही पुलिस के नए तरीके की चर्चा

प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन परिसर में बने शौचालय में शनिवार की भोर में महिला से दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ढूंढ रही थी। रेलवे प्रशासन और रेलवे की पुलिस भी उसकी खोजबीन कर रही थी। वह पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। दबाव अधिक होने के कारण पुलिस किसी भी दशा में उसे गिरफ्तार करने के लिए मशक्कत कर रही थी। इसी बीच पुलिस ने आरोपी के घर के सामने रविवार की रात बुलडोजर खड़ा कर दिया। चेतावनी भी दी कि यदि वह 24 घंटे के भीतर सरेंडर नहीं करता है तो उसका मकान ध्वस्त कर दिया जाएगा। पुलिस की यह तरकीब काम कर गई और आरोपी शुभम के भंगवा चुंगी पर खड़े होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे पकड़ लिया। दरअसल, अंतू थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली विवाहिता शुक्रवार की रात अपने पति के साथ अहमदाबाद जाने के लिए घर से निकली। परिवार का एक युवक भी उनके साथ था। तीनों रात में मुसाफिरखाना पहुंचे। उन्हें भोर में प्रयागराज के लिए ट्रेन पकड़नी थी। प्रयागराज से उनकी अहमदाबाद की ट्रेन थी। रात करीब बारह बजे विवाहिता का पति खाना लेने के लिए निकला। काफी देर बाद भी वह नहीं लौटा। इस बीच विवाहिता शौच के लिए शौचालय की खोजबीन करने लगी। उसका आरोप है कि वाहन स्टैंड के पास मिले एक युवक ने उसे रेलवे के सुलभ शौचालय की चाबी देते हुए भेज दिया। जैसे ही वह ताला खोलकर भीतर घुसी कि पीछे से वह युवक भी आ गया। युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। धमकाते हुए आरोपी युवक बाहर निकल आया। कुछ देर बाद विवाहिता को खोजते हुए परिवार का युवक पहुंचा। उसकी आपबीती सुनकर उसने आरोपी युवक को दबोच लिया। इस बीच आरोपी युवक के साथी पहुंच गए। वे विवाहिता के साथ आए युवक को पीटने लगे। मौका पाकर आरोपी युवक भाग निकला। पीड़िता ने इसकी शिकायत की थी।

लखनऊ : कूड़ा डंपिंग यार्ड में महिला का जला शव बरामद, सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के आईआईएम रोड पर घैला इलाके में कूड़े के डंपिंग स्टेशन पर एक महिला का जला शव कूड़े के ढेर पर मिलने से सनसनी फैल गयी। सूचना पर ठाकुरगंज इंस्पेक्टर हरिशंकर चंद और अधिकारी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से महिला की शिनाख्त का पुलिस ने प्रयास किया पर सफलता नहीं मिली।

इंस्पेक्टर ने बताया कि महिला का शव बुरी तरह से जला हुआ है। पहचान की कोई भी चीज मौके से नहीं मिली है। दाहिने हाथ में मैटल की चूड़ियां दिख रही हैं। घटना स्थल को जाने वाले मार्गों पर सीसी कैमरों की पड़ताल की जा रही है। किस समय महिला को डंपिंग स्टेशन पर लाया गया और कौन लाया है, इसकी पड़ताल की जा रही है। अनुमान है कि कहीं और महिला की हत्या की गई है और शव यहां लाकर जलाया गया है। वहीं, स्थानीय लोगों ने दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव जलाने की आशंका जताई है। इंस्पेक्टर ने बताया कि शहर, ग्रामीण के साथ ही पड़ोसी जनपदों से महिलाओं से संबंधित गुमशुदगी का ब्योरा मांगा गया है। उस आधार पर भी लोगों से संपर्क कर महिला को शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

वाराणसी में दो लाख का इनामी सोनू मुठभेड़ में ढेर

- दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज थे बदमाश पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। दो लाख के इनामी मनीष सिंह सोनू को यूपी एसटीएफ ने वाराणसी के लोहता इलाके में मुठभेड़ में मार गिराया। पांच अप्रैल 2021 को शूलटंकेश्वर के पास हुई एनडी तिवारी हत्याकांड में सोनू सिंह मुख्य शूटर था। वाराणसी सहित आसपास के जिलों में हत्या और लूट के मामले में सोनू सिंह का आतंक था। रोहनिया थाना क्षेत्र के अखरी निवासी एनडी तिवारी की 5 अप्रैल की रात शूलटंकेश्वर महादेव मंदिर से दर्शन कर घर लौटते समय हत्या कर दी गई थी।

एसटीएफ आईजी लखनऊ ने बताया कि शातिर अपराधी मनीष सिंह उर्फ सोनू पर दो लाख का इनाम था। पूर्वांचल के वाराणसी, जौनपुर और गाजीपुर सहित तमाम जिलों में उसकी आपराधिक गतिविधियां काफी समय से चर्चा में रही हैं। एसटीएफ को सोनू की लोकेशन लोहता के पास मिलने के बाद कार्रवाई शुरू हुई तो टीम ने मुठभेड़ में उसे ढेर कर दिया। मनीष उर्फ सोनू सिंह वाराणसी के नरोत्तमपुर, लंका का मूल निवासी था और इन दिनों चोलापुर के सुलेमापुर में रहता था। मनीष सिंह पर वाराणसी के अलावा अन्य जिलों के थाने में भी केस दर्ज हैं। वाराणसी चौक, कैंट, कोतवाली, चौबेपुर, भेलूपुर, फूलपुर, सिगरा, रोहनिया, लंका, चेतगंज में मुकदमा है। वहीं, सीतापुर, शाहजहांपुर, आजमगढ़ के देव गांव, जौनपुर के देव गांव, गाजीपुर के नंदगंज में पुलिस के रिकार्ड में नाम है। उस पर विभिन्न थानों में लगभग दो दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज हैं।

तो बदलेगी योगी की कार्यप्रणाली!

- लोक सभा चुनाव को ध्यान में रखकर बनेगा मंत्रिमंडल
- 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटी भाजपा नई सरकार के गठन की तैयारियों में जुटी है। सीएम चेहरे के रूप में योगी आदित्यनाथ का नाम पहले से तय है। यूपी की कमान अमित शाह ने संभाल ली है क्योंकि भाजपा अब 2024 के लोक सभा चुनाव के हिसाब से नए एजेंडे पर काम करेगी। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, राजेश बादल, सतीश के सिंह, उमाशंकर दुबे और अभिषेक कुमार के साथ एक लंबी परिचर्चा हुई।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सतीश के सिंह ने कहा आरएसएस प्रमुख गोरखपुर में हैं। अभी उनका वहां जाना एक बड़ा संकेत देता है कि क्या ये जो सरकार बनने वाली है, चलने वाली है, वो दो चीजों के लिए बननी है। एक तो जो संघ परिवार है उसका भविष्य क्या होगा। 27 से आगे और दूसरा ये कि जो 24 का चुनाव है उस दृष्टि से, तो ये सरकार दो बिंदुओं पर काम करेगी। राजेश बादल ने कहा पिछले चुनाव में योगी की कोई भागीदारी नहीं थी, उनको अचानक से भेज दिया गया। इन पांच साल में उन्होंने आलाकमान से खूब रार ठानीं। जैसा चाहा यूपी में वैसे सरकार चली। इस बार की स्थितियां बदली हुई हैं। ऐसे में जो मंत्रिमंडल बनेगा, वह स्वछंद रूप से सरकार न चले ऐसी घेराबंदी की जाएगी।

उमाशंकर दुबे ने कहा, इस कार्यकाल में परिवर्तन दिखेगा। 2024 का चुनाव है, इनपुट देना है तो भाजपा कोई गलती नहीं करेगी। योगी की कार्यप्रणाली जरूर बदलेगी। अशोक वानखेड़े ने कहा, केंद्रीय नेतृत्व का यूपी चुनाव से ज्यादा लोक सभा चुनाव पर फोकस था। सरकार बनने पर असर भी दिखा। पंजाब में आप की सरकार बनी, अब आम आदमी पार्टी पंजाब पर जब जोर देगी तो भाजपा के लिए अन्य राज्यों में 24 के लिए कड़ी चुनौती होगी।

असंतुष्टों को मनाने की तैयारी सोनिया-राहुल गांधी सक्रिय

कई नेता सोनिया से मिलने पहुंचे उनके आवास

पार्टी में बदलाव की मांग कर रहा है जी-23 गुट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के असंतुष्ट गुट जी-23 को मनाने की कोशिश कांग्रेस नेतृत्व ने शुरू कर दी है। इसके लिए सोनिया गांधी और राहुल गांधी दोनों सक्रिय हो गए हैं। पिछले कुछ दिनों से हो रहीं मुलाकातों के दौर से यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि कांग्रेस का गरम दल जल्द शांत हो सकता हैञ जी-23 गुट के नेता लगातार कांग्रेस नेतृत्व, कांग्रेस की कार्यशैली में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

जी-23 के कुछ नेता आज मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने पहुंचे हैं। आनंद शर्मा, मनीष तिवारी और विवेक तन्खा आज सोनिया गांधी से मिलने 10 जनपथ पहुंचे हैं। इसके अलावा कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह भी कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने उनके आवास पहुंचे। इनसे पहले कांग्रेस के सीनियर नेता गुलाम नबी आजाद भी सोनिया गांधी से मिले थे। वह भी जी-23 का हिस्सा हैं। इससे पहले आजाद के घर पर जी-23 के नेताओं की अहम मीटिंग भी हुई थी। इसके बाद कहा गया था कि भाजपा से मुकाबले के लिए कांग्रेस को मजबूत करना बेहद जरूरी हो गया है। मीटिंग के बाद कांग्रेस के 18 नेताओं ने कहा था कि विधान सभा चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी शिकस्त और लगातार नेताओं-कार्यकर्ताओं का पार्टी छोड़कर जाने के सिलसिले पर ध्यान नहीं दिया जा रहा, उसी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए यह बैठक की आहूत की गई थी। कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी आलाकमान से अपील की थी कि वह समान विचारधारा वाले दलों से बात करें ताकि भाजपा को चुनौती देने के लिए एक अच्छा विकल्प तैयार हो सके।

प्रियंका गांधी का मांगा इस्तीफा

लखनऊ। चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस की पराजय के लिए जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाले जीशान हैदर को भले ही पार्टी ने छह वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया हो, लेकिन वह प्रियंका गांधी वाड्रा के इस्तीफे की मांग पर अड़े हैं। जीशान हैदर ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष सोनिया गांधी को संबोधित पत्र में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव तथा उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा को 403 सीट पर प्रत्याशी उतारने के बाद भी बुरी हार का जिम्मेदार माना है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी प्रदेश में जब-जब भी चुनाव परिणाम खराब रहा है तो उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और प्रभारी दोनों ने इस्तीफा दिया है। अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने इस्तीफा दे दिया है अब प्रियंका गांधी वाड्रा को भी इस्तीफा दे देना चाहिए। जीशान ने आरोप लगाया कि प्रियंका गांधी वाड्रा के नौकरों की वजह से कांग्रेस की स्थिति खराब होती जा रही है। अब तो उनका उनके इस्तीफा देना चाहिए।जीशान हैदर ने सोनिया गांधी को प्रियंका गांधी के इस्तीफे की मांग को लेकर सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखी है। खत में कहा कि पार्टी प्रियंका गांधी से भी महासचिव का पद वापस लें और उन्हें कार्यमुक्त कर दें।

बीजेपी से बसपा नहीं, मुलायम सिंह मिले हैं: मायावती

» बसपा प्रमुख ने सपा प्रमुख पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा और अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। मायावती ने कहा बीजेपी से बीएसपी नहीं, बल्कि सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव खुलकर मिले हैं। उन्होंने पिछले शपथ ग्रहण में अखिलेश को बीजेपी से आर्शीवाद भी दिलाया था।

दरअसल, यूपी विधानसभा चुनाव में बीजेपी एक बार फिर सत्ता को बरकरार रखने में सफल हुई है। ऐसे में सपा और बसपा एक दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। सपा ने बीएसपी को बीजेपी की बी टीम बताते हुए मायावती पर बीजेपी से मिले होने के आरोप लगाए थे। अब मायावती ने इन आरोपों पर पलटवार किया। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि बीजेपी से बसपा नहीं बल्कि सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव खुलकर मिले हैं। इन्होंने बीजेपी के पिछले शपथ ग्रहण में अखिलेश यादव को बीजेपी से आर्शीवाद भी दिलायाथा और अब अपने काम के लिए एक सदस्य को बीजेपी में भेज दिया है। यह जग-जाहिर है। दरअसल, मायावती का इशारा अपर्णा यादव की ओर था, जिन्होंने चुनाव से पहले बीजेपी की सदस्यता ली थी। हालांकि उन्होंने अपर्णा का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया। कहा यूपी में अंबेडकरवादी लोग कभी भी सपा मुखिया अखिलेश यादव को माफ नहीं करेंगे।

तृणमूल नेता की हत्या के बाद बंगाल में भड़की हिंसा, 10 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» इलाके में तनाव पुलिस बल तैनात

कोलकाता। बंगाल के बीरभूम जिले के रामपुरहाट इलाके में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कब्जे वाली बरशल ग्राम पंचायत के उप प्रमुख भादु शेख की कल शाम हत्या के बाद भड़की हिंसा व आगजनी ने बड़ी घटना का रूप ले लिया है। हत्या से गुस्साए टीएमसी समर्थकों ने घटना के कुछ घंटे बाद ही हमले के संदिग्धों के घरों में आग लगा दी, जिसमें 10 लोगों की जलकर मौत की खबर है। पुलिस ने मौके से कई शव बरामद किए हैं।

इस घटना से व्यापक तनाव का माहौल है। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर हैं। तनाव को देखते हुए इलाके में बड़ी संख्या में अतिरिक्त पुलिस बलों की तैनाती की गई है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि यह राजनीतिक रंजिश का मामला है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल के बीरभूम के रामपुरहाट में टीएमसी नेता की हत्या के बाद हिंसा भड़क गई। यहां भीड़ ने 10-12 घरों के दरवाजे को बंद कर आग लगा दी। आग से 10 लोगों की जलकर मौत हो गई। तृणमूल कांग्रेस के कब्जे वाली बरशल ग्राम पंचायत के उप प्रमुख भादु शेख सोमवार शाम को हत्या कर दी गई थी। उन पर बम से हमला हुआ था। भादू शेख की मौत की खबर जंगल में लगी आग की तरह फैली। हत्या से गुस्साए उनके समर्थकों ने थोड़ी ही देर में इस हमले के संदिग्धों के घरों में आग लगा दी। इधर, इस घटना के बाद राज्य के मंत्री फिरहाद हकीम के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस के तीन विधायकों का प्रतिनिधिमंडल हालात का जायजा लेने के लिए घटनास्थल पर जा रहा है।

संघ के विस्तार में जुटे मोहन भागवत

सामाजिक सरोकारों और प्रशिक्षण पर दिया जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोरक्ष प्रांत की बैठक के लिए तीन दिन के प्रवास पर गोरखपुर आए राष्ट्रीय सरसंघचालक मोहन भागवत ने बैठकों के क्रम में दूसरे दिन प्रांत के प्रचारकों की बैठक ली। दो सत्र में चली बैठक में संघ प्रमुख ने सभी प्रांत प्रचारकों से कहा कि वह शाखा विस्तार पर विशेष ध्यान दें और इसके लिए स्वयंसेवकों को लोगों से संपर्क के लिए प्रेरित करें। संपर्क अभियान जितना सफल होगा, संगठना का दायरा उतना ही बड़ा होगा।

शाखा विस्तार के दौरान संघ के अनुशासन को बनाए रखने पर भी संघ प्रमुख का विशेष जोर रहा। इसके लिए उन्होंने संगठन में प्रवेश से पहले प्रशिक्षण पर बल दिया। उनका मानना था कि प्रशिक्षित स्वयंसेवक ही संगठन के मानक

को पूरा करते हुए शाखा विस्तार में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकेगा। संघ प्रमुख ने समय-समय पर संघ की ओर से सामाजिक सरोकार से जुड़े अभियान को सुचारू रूप से संचालित करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि सामाजिक सरोकार के लिए कार्य करना संगठन का पवित्र उद्देश्य और लक्ष्य दोनों है। प्रचारकों को इस पर ध्यान देने को कहा कि संगठन को मजबूती देने का कार्य प्रभावित न होने पाए। मोहन भागवत ने प्रचारकों से कहा कि पदाधिकारियों को प्रेरित करें कि वह क्षेत्र में अपना प्रवास बढ़ाएं। ऐसा करके कि वह अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ सकेंगे। शाखाओं में होने वाले कार्यक्रमों की निरंतरता बनाए रखने और संगठन की बैठक के नियमित आयोजन की अपील संघ प्रमुख ने लगातार दूसरे दिन की। बैठक में प्रांत के जिला, विभाग और प्रांत प्रचारकों के अलावा अनुषांगिक संगठनों के करीब 50 प्रचारकों की मौजूदगी रही। संघ के प्रमुख की दो सत्रों हुई बैठक के अलावा भी दो बैठकें हुईं। उन्होंने संगठन की मजबूती के लिए प्रचारकों द्वारा किए जा रहे कार्य की समीक्षा की। इस दौरान प्रांत प्रचारक सुभाष भी मौजूद रहे।

मान का ऐलान, भगत सिंह के शहीदी दिवस पर रहेगी छुट्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विधानसभा में घोषणा की कि राज्य में शहीद-ए-आजम भगत सिंह के शहीदी दिवस 23 मार्च को छुट्टी रहेगी। मान ने कहा कि पिछली सरकार ने इसे केवल नवांशहर तक सीमित रखा था। अब वह नवांशहर तक सीमित नहीं रहेंगे।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने पंजाब विधानसभा में शहीद-ए-आजम भगत सिंह और डाक्टर भीमराव अंबेडकर का बुत लगाने का प्रस्ताव रखा, जिस पर कांग्रेस के प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि शेर-ए-पंजाब पंजाब महाराजा रणजीत सिंह का भी बुत लगना चाहिए, जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकार कर लिया। भगत सिंह, अंबेडकर और महाराजा रणजीत सिंह के बुत लगाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास कर दिया गया।

फोटो: 4पीएम

अमृत महोत्सव

लखनऊ स्थित घंटा घर पर आजादी अमृत महोत्सव के अवसर पर पतंगबाजी का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें युवाओं ने पतंग उड़ाकर पेंच लड़ाए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।